सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

SURYA FOUNDATION

चयनित आदर्श गाँव
सलोई - विदिशा (म.प्र.)

- सूर्या संस्कार केन्द्र
- सूर्या यूथ क्लब
- सूर्या सिलाई केन्द्र
- ग्राम सेवा समिति
- स्व-सहायता समूह
- ग्राम गौरव मेला
- वृक्षारोपण महाअभियान
- तालाबों का गहरीकरण
- स्वास्थ्य शिविर
- पशु चिकित्सा शिविर
- गौआधारित जैविक कृषि

संदेश

चेयरमैन की कलम से..

पद्मश्री
–जयप्रकाश

मेरा गाँव, मेरा बड़ा परिवार

भारत गाँवों का देश है। आज भी लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। अर्थव्यवस्था का केन्द्र गाँव ही है, खाद्यान्नों की निर्भरता गाँवों पर ही है। गाँव और जमीन पर तो निभरता बढ़ती ही जा रही है। गाँवों के विकास से मतलब गाँवों को शहरों में बदलना नहीं बल्कि गाँवों में सुविधाएँ बढाना है। गामवासियों के लिये कमाई, रोजगार के साधन, गाँव में ही उपलब्ध हो। वहाँ हर हाथ को काम हो और हर काम के लिये व्यक्ति उपलब्ध हो। गाँव स्वावलंबी बने। मुख्यतः हम चाहते हैं कि गाँव संस्कृति, आस्था और लोक-कलाओं के प्रमुख केन्द्र बनें।

सूर्या फाउण्डेशन की उपलब्धियाँ

- ✓ पिछले 25 वर्षों में 2 लाख युवाओं के आवासीय व्यक्तित्व विकास शिविर– PDC
- ✓ देश में सरकारी तंत्र की कार्यशैली को ठीक करने के लिए वर्ष 2002 में सत्याग्रह।
- ✓ सन् 2006 में INO Big Programme जिसमें 3000 नैचुरोपैथी चिकित्सकों ने भाग लिया।
- ✓ 18 नवम्बर 2019, नैचुरोपैथी दिवस के दिन 702 लोगों को एक साथ, मिट्टी स्नान कराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- ✓ पिछले तीन वर्षो में वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत 18 राज्यों में 11,000 युवाओं द्वारा 1500 गाँव में 3.5 करोड़ पेड़ (फलदार, छायादार और औषधीय) लगाये गये।
- ✓ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 के अवसर पर 21 जून को 35 लाख लोगो को योगाभ्यास कराया गया।
- ✓ 2016 से प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं की खेलकूद प्रतियोगिता एवं लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन।
- ✓ 2010 से 500 आदिवासी बच्चों के लिए गुजरात में सूर्या एकलव्य सैनिक स्कूल का संचालन।
- ✓ 2018 से हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के माध्यम से 300 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।
- ✓ 18 सिलाई केन्द्र के माध्यम से 400 बहनों को प्रशिक्षित किया गया।
- ✓ **जैविक कृषि सम्मेलन 2019-20 (एक दिवसीय)**– तीन राज्यों (हरियाणा, मध्य प्रदेश, सिलीगुड़ी–पश्चिम बंगाल) के 2000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

सलोई गाँव में किये गये विकास कार्य

- गाँव के 26 कार्यकर्ता अभी तक सूर्या फाउण्डेशन का प्रशिक्षण ले चुके हैं।
- लघु व्यक्तित्व विकास शिविरों के माध्यम से अब तक 130 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया।
- खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से अब तक 80 युवाओं को खेल से जोड़ा गया।
- जैविक कृषि सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें सलोई तथा आसपास के 700 किसानों ने लाभ लिया।
- 15 किसानों ने जैविक खेती की शुरूआत की है।
- वृक्षारोपण महाभियान के अन्तर्गत सभी परिवारों में फलदार एवं छायादार पौधे वितरित किये गये। पौधों की सुरक्षा के लिए 10 टीगार्ड लगाए गए हैं।
- जल संरक्षण के लिए लिए 10 किसानों द्वारा अपनें खेतों में तालाब बनाए गए हैं जिससे जल जल संरक्षण हो एवं जल स्तर ऊपर आ सके।
- गाँव में आयुष्मान योजना के अन्तर्गत 35 लाभार्थी का कार्ड बनवाया गया है।
- गाँव में गठित भजन मण्डली द्वारा प्रत्येक शनिवार को हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है। जिससे पूरे गाँव में भक्ति का वातारण रहता है।
- गाँव के प्रत्येक रास्ते को पक्का किया गया है। साथ ही साथ नालियों का निर्माण हुआ है।
- गाँव में स्वास्थ्य की दिशा में बढ़ते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कराया गया है।
- गाँव नशामुक्त होने की ओर बढ़ रहा है।

सेवा कार्यों में लगे कार्यकर्ता

1	शिव राजवाड़े	क्षेत्र प्रमुख	8120831014
2	नरेन्द्र कुमार	पूर्णकालिक कार्यकर्ता	9131718157
3	ब्रजेश कुमार	संस्कार केन्द्र शिक्षक	9770360550
4	सतेन्द्र रघुवंशी	सूर्या यूथ क्लब	7248532840
5	लालू सिंह	सेवाभावी	6264735159
6	राम कृष्ण	सेवाभावी	9981026289
7	खूब सिंह	सेवाभावी	9753111125
8	महेन्द्र सिंह	सेवाभावी	9981026225
9	राम सेवक	सेवाभावी	8435127195
10	रमेश रघुवंशी	सेवाभावी	–

शिक्षा – सूर्या संस्कार केन्द्र

बृजेश कुशवाहा
(शिक्षक)

सूर्या फाउण्डेशन की 20 दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण शिविर के बाद मैंने अपने गाँव में सूर्या बाल संस्कार केन्द्र शुरू किया, पहले माह में सभी परिवार में सम्पर्क के बाद भी 8 से 10 बच्चों का आना हुआ, दो माह के बाद बच्चों के अन्दर परिवर्तन- समय पालन, सामान्य व्यवहार को देखकर अन्य परिवार के माता-पिता भी अपनें बच्चों को भेजने लगे हैं। अब केन्द्र में 30 बच्चे आते हैं, जिनमें 18 भैया व 12 बहनें है।

सभी को अपनी कक्षा की अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। केन्द्र के बच्चों के इस बदलाव को गाँव के लोग भी समझने लगे। केन्द्र के सभी भैया-बहन शिक्षा के साथ-साथ अपने घर में साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखते हैं। प्रत्येक माह केन्द्र में मासिक टेस्ट भी किया जाता है। इससे सभी बच्चों में शिक्षा का स्तर बढ़ा है। केन्द्र पर आने वाले सभी भैया अपनी कक्षा में अच्छे अंक लाकर पास होते हैं। महापुरुषों की जयंती का कार्यक्रम बच्चों में ऊर्जा भरने का काम करता है साथ ही देश भक्ति के प्रति बच्चों में जानकारी बढ़ी है।

आज के बच्चे
कल का भारत

मैं सुमित अहिरवार कक्षा 8वीं ग्राम सलोई, सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित सूर्या बाल संस्कार केन्द्र में पिछले 3 वर्षों से पढ़ने जा रहा हूँ, संस्कार केन्द्र के माध्यम से हमें निशुल्क 2 घण्टे कोचिंग क्लासेस दी जाती है, केन्द्र में शिक्षा के साथ-साथ योगासन, प्राणयाम, खेल, सामान्य ज्ञान, आदि की जानकारी दी जाती है। संस्कार केन्द्र में वर्षभर अलग-अलग प्रतियोगिताएँ होती हैं इस वर्ष मैंने पोषण वाटिका प्रतियोगिता में भाग लिया। अपने घर पर पोषण वाटिका बनाया, और उसे सुमित पोषण वाटिका का नाम दिया, संस्कार केन्द्र में जाने से मैं अपनी कक्षा के अन्य साथियों से अधिक अंक पाकर परीक्षा में पास हुआ, संस्कार केन्द्र में समय का सदुपयोग होता है और समय का पालन भी बताया जाता है। संस्कार केन्द्र में सभी भाइयों को अलग-अलग जिम्मेदारी भी दी गई है। मैं संस्कार केन्द्र का मॉनीटर भी हूँ।

पेड़ लगाना काम महान, एक पेड़ दस पुत्र समान।

युवा निर्माण – सूर्या यूथ क्लब

सतेन्द्र सिंह रघुवंशी
सूर्या यूथ क्लब

मैंने वर्ष 2013 में सूर्या फाउण्डेशन की ट्रेनिंग की। ट्रेनिंग में सिखाई गई सभी अच्छी बातों को अपने जीवन में उतारा। गाँव के सभी युवाओं को ट्रेनिंग की जानकारी दी और अपना खेलकूद केन्द्र चालू किया। गाँव के 19 युवाओं ने केन्द्र में आना शुरू किया, केन्द्र के माध्यम से युवाओं के शारीरिक विकास में बदलाव आया जिन खेलों की जानकारी गाँव के युवाओं को नहीं थी उन खेलों को केन्द्र के द्वारा सिखाया गया।

केन्द्र में कबड्डी, क्रिकेट, वॉलीवॉल, खो–खो के साथ भारतीय खेलों को भी खेला जाता है। केन्द्र की एक निश्चित दिनचर्या का पालन करते–करते युवाओं ने अपनी दैनिक दिनचर्या बना ली। जिसका वह निष्ठा से पालन करते हैं। सूर्या यूथ क्लब के माध्यम से गाँव के युवाओं में बड़ा परिवर्तन आया है, कोई भी युवा किसी भी प्रकार का नशा नहीं करता और ना ही गाँव में नशा करने देते हैं। सभी लोगों में भाईचारा है एक साथ मिलकर नई ऊर्जा के साथ गाँव के विकास कार्यों में सहयोग करते हैं।

खेलो खेल
बनो निरोग

सलोई गाँव में हुए कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ

सलोई गाँव के सेवाभावी : अनुभव

गाँव के प्रतिष्ठित, सम्मानित व सेवा कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा प्रशिक्षित कर उन्हें गावों में संचालित गतिविधियों की जिम्मेदारी देते हैं। वे गार्जियन के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। ऐसे ही सेवाभावी कार्यकर्ताओं के कुछ अनुभव...

सूर्या फाउण्डेशन की सेवाभावी ट्रेनिंग में मैंने जैविक खेती के बारे में सीखा और गाँव में आने के बाद अपने खेत में प्रयोग किया। रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती में ज्यादा फायदा मिला। अपने खेत में जैविक खेती करके, अपने परिवार के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी अनाज की पैदावार की है। सूर्या फाउण्डेशन एक सामाजिक संस्था है जो गाँव में आदर्श ग्राम योजना के तहत लोगों को जागरुक करना, किसानों को जैविक खेती की जानकारी देना, जिससे किसान जागरूक हो और अपने उपयोग के लिए जैविक खेती का प्रयोग करें। मैंने सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आयोजित गाँव में किसान गोष्ठी कार्यक्रम में भाग लिया जिसके माध्यम से मुझे सरकारी योजनाओं की जानकारी मिली और जैविक खेती के लाभ के बारे में जानकारी मिली मैं सूर्या फाउण्डेशन का बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ जो समय-समय पर लोगों को जागरूक करने के लिए ऐसे कार्यक्रम करते रहते हैं।

रामसेवक रघुवंशी
(सेवाभावी)

रमेश रघुवंशी
(सेवाभावी)

मैं रमेश रघुवंशी ग्राम सलोई, हमारे गाँव में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आदर्श गाँव योजना का कार्य चल रहा है। फाउण्डेशन द्वारा हमारे गाँव में भजन मण्डली समिति बनाई गई है जिसमें 10 सदस्य शामिल है भजन मण्डली द्वारा गाँव में सामूहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, इसी के तहत हमारे गाँव में प्रत्येक सप्ताह में शनिवार के दिन सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया जाता है गाँव के सभी वर्गो के लोग भाग लेते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गाँव के लोगों में समरसता का भाव आया है। गाँव के सहयोग से वर्ष में एक बार भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। सूर्या फाउण्डेशन के माध्यम से हमारे गाँव में की गई इस पहल से सभी वर्गो के लोग में एक जुटता आई है, आपसी भाई चारा बढ़ा है, जिससे सभी एक भाव के साथ गाँव के विकास के लिए कार्य करते हैं।

सलोई गाँव में जैविक खेती की शुरुआत

अनुभव

सूर्या फाउण्डेशन अलग-अलग आयामों के साथ हमारे गाँव में काम करता है उसी में एक किसान समिति के माध्यम से **मैं लखनऊ में शून्य बजट जैविक खेती प्रशिक्षण वर्ग के लिए गया। वर्ग में मुझे जैविक खेती से होने वाले लाभ, जैविक खेती कैसे करना आदि की जानकारी मिली।** मैं पहले अपनी खेत में रासायनिक खेती करता था। लेकिन वर्ग में मुझे जैविक खाद, जैविक कीटनाशक दवाओं की जानकारी मिली इसके बाद मैंने आकार पहले अपनी 2 एकड़ खेती में जैविक खेती करना शुरू किया, पास के ही दूसरे खेत मे मैने पहले की तरह रासायनिक खेती की। कटाई के बाद जब मैंने देखा कि जैविक खेती वाले खेत की फसल रासायनिक की अपेक्षा अधिक मात्रा में पैदा हुई और जैविक फसल का दाना मोटा व चमकदार भी था। जैविक खेती का अच्छा परिणाम आने के बाद मैंने अगले वर्ष 5 एकड़ खेत मे जैविक खेती की। इस तरह में हर वर्ष जैविक खेती की मात्रा बढ़ाता जा रहा हूँ। मेरी खेती की लागत कम हुई है और पैदावार में भी कमी नहीं आयी। सबसे बड़ी बात मुझे रासायनमुक्त भोजन मिल रहा है।

चरण सिंह रघुवंशी
(सेवाभावी)

पशु टीकाकरण

जल संरक्षण हेतु किये गये उपाय

सलोई गाँव के किसानों ने बरसात के पानी को बचाने के लिए अपने-अपने खेतों के बीच में गड्ढा खोदकर पानी को बचाने का उपाय किया। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी गाँव के जल स्तर में सुधार हुआ है। और रबी की फसल का उत्पादन भी बढ़ा है। भूमिगत जल स्तर बढ़ा है

- गाँव के 10 किसानों द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने के लिए बड़े-बड़े गड्ढे बनाए गए हैं।
- गाँव में नलकूप के पानी को भी एकत्रित करते हैं। इस पानी को फसलों में उपयोग करते हैं।
- एकत्रित किये गये पानी का उपयोग फसलों की सिंचाई, पशुपालन आदि मे करते हैं।

गाँव आदर्श बनाने हेतु मुख्य आधार बिन्दु

1. **शिक्षा**- गाँवों की साक्षरता 100% सुनिश्चित करना। गाँव में सभी शिक्षित व संस्कारित हो।
2. **स्वास्थ्य**-योग, नैचुरोपैथी यानि प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद से, खान-पान से स्वस्थ बनें।
3. **स्वावलंबन**-स्व-सहायता समूह द्वारा महिलाओं एवं पुरूषों को रोजगार देना।
4. **स्वच्छता**-गाँव, घर साफ-सुथरा हो, घर-घर में शौचालय हो। सभी मिलकर श्रमदान करें।
5. **समरसता**-सभी जाति, वर्ग के लोग मिल-जुलकर रहें, आपसी भाईचारा बढ़े।
6. **सेवा**- नर सेवा-नारायण सेवा। समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव। दूसरों का भला सोचें।
7. **स्कीम**-सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति, परिवार को मिले ऐसा प्रयास करें
8. **स्पोर्ट्स (खेलकूद)**-युवा शक्ति को खेलकूद, व्यायाम के माध्यम से सबल व अनुशासित बनाना।

खेलो खेल, बनो निरोग।

मेरा गाँव – मेरा तीर्थ : सलोई (विदिशा)

नरेन्द्र रघुवंशी
सेवा कार्यकर्ता
गाँवः- सलोई

मध्य प्रदेश के विदिशा जिला केन्द्र से महज 50 किलोमीटर दूर सलोई गाँव है, कहते हैं भारत की आत्मा गाँवों में बसती है। 120 परिवारों वाला यह गाँव विकास की ओर बढ़ता चला जा रहा हैं। सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना का कार्य 2013 से शुरू किया गया। फाउडेशन के कार्यक्रमों से गाँव के लोगों में परिवर्तन आया गाँव के लोगों में सहयोग की भावना पैदा हुई। सूर्या संस्कार केन्द्र, सूर्या यूथ क्लब के माध्यम से बच्चों और युवाओं में बड़ा बदलाव आया। अब लोगों में समरसता का भाव है। 'मेरा गाँव मेरा बड़ा परिवार' इसी भाव के साथ गाँव के लोगों का सहयोग मिलता है।

गाँव में सांस्कृतिक जागरुकता के लिए प्रत्येक मंगलवार को मन्दिर पर भजन-कीर्तन, प्रत्येक शनिवार को सुन्दरकाण्ड का आयोजन, सुबह प्रभात फेरी होती है। गाँव के बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों के मन में एक दूसरों के प्रति सेवाभाव रहता है। **गाँव के वर्तमान ग्राम प्रधान श्री सुधीर कुमार स्व-प्रेरणा से नियमित पूरे गाँव की सफाई करते हैं। यह गाँव के लिये बहुत बड़ा प्रेरणा का कार्य है।** गाँव की गलियाँ स्वच्छ व सुन्दर रहती हैं। जगह-जगह ग्राम विकास के कोटेशन लिखे गए हैं। गाँव के कार्यों में गाँव के लोगों की अहम भूमिका होती है।

गाँव के सभी लोग सुबह अपने घर के आगे की सफाई स्वयं करते हैं। गाँव में साप्ताहिक श्रमदान का कार्यक्रम सार्वजनिक स्थानों पर किया जाता है जिसमें गाँव के सभी लोगों की अहम भूमिका होती है। जल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए गाँव में कई किसानों नें अपने खेत पर तालाब खोदने का काम किया है, जिससे फसल को आवश्यकतानुसार पर्याप्त पानी मिल सके।

करो योग
रहो निरोग

मेरा गाँव –
एक बड़ा परिवार

मेरा गाँव
स्वच्छ गाँव
सुन्दर गाँव

नशा छोड़ो
घर को जोड़ो

समाचार पत्रों में सलोई गाँव की खबरें...

सूय ी फाउंडेशन ने जैविक खेती करने वाले किसानों का किया सम मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित किसान गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन हेमंत शर्मा एवं विधायक लीना जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में देवेंद्र रघुवंशी ने किसानों को जैविक खेती के बारे में छोटी-छोटी जानकारी दीं। खेती करने वाले 170 किसान कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जैविक खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आए किसानों को जैविक खेती के साथ-साथ गाय आधारित कृषि के बारे में जानकारी दी गई। गाय को पालना एक पुण्य का कार्य है, जिससे खेती करने के लिए गोबर मिलता है जिससे हमें कंपोस्ट खाद बनकर खेत में प्रयोग करते हैं। गोमूत्र के प्रयोग से उपज को बढ़ा सकते हैं। जानकारी कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को दी गई । कार्यक्रम में सरपंच सुधीर बाल्मीकि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से चरण सिंह, रामकृष्ण, शिवकुमार राजवाड़े, आलम सिंह, नरेंद्र रघुवंशी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश प्रमुख शिव राजवाड़े ने किया। कार्यक्रम के समापन पर जैविक खेती करने वाले 10 किसानों को पुरस्कार वितरण किया गया और विधायक लीना जैन और वाइस चेयरमैन हेमन्त द्वारा पौधरोपण किया गया।

गौरव मेला का आयोजन... ग्रामीणों ने निकाली रैली

गंजबासौदा। ग्राम सलोई में सूर्या फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे आदर्श गांव योजना कार्य अंतर्गत ग्राम गौरव मेला का आयोजन किया साथ ही गांव के मुख्य मार्गो से रैली भी निकाली गई। फाउंडेशन सदस्यों ने बताया कि नवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान लगाए जाने वाले मेला में ग्रामीण नवरात्रि के 9 दिनों तक नियमित रूप से भजन संध्या सहित धार्मिक आयोजन किए जाएंगे ताकि गांव में मेला जैसा प्रतीत हो।

रैली निकालकर युवाओं को मेला संबंधी जानकारी देकर जागरूक किया और घर-घर में ध्वज बांधे गए। इसी के साथ ही गांव में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसके माध्यम से युवाओं ने ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता के साथ ही धार्मिक आयोजनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई व गांव में फलदार व छायादार पौधे रोपकर उनकी सुरक्षा के लिए ट्रीगार्ड लगाए। कार्यक्रम में भाग लेने वाले युवाओं, बच्चों सहित वृद्धों को प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर सूर्या फाउंडेशन जॉन इंचार्ज भीकपुरी गोस्वामी, मध्यप्रदेश क्षेत्र प्रमुख शिवकुमार, नरेन्द्र रघुवंशी सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

कृषि सम्मेलन में बताए आय बढ़ाने के उपाय

गंजबासौदा (नवदुनिया न्यूज)। ग्राम सलोई में जैविक कृषि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों को जैविक खेती के गुर बताए गये एवं कृषि से आए कैसे बढ़ाएं यह जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विदिशा जिले के 600 से अधिक किसानों की सहभागिता रही। आयोजन जबलपुर एवं सामाजिक संस्था सूर्या फाउंडेशन ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं द्वारा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में किसानों को जैविक खेती की जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक । ● नवदुनिया

इसमें कृषि विज्ञान केंद्र सीहोर, रायसेन सहित स्वयं सहायता समूह द्वारा भी अपने ग्रामीण उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही किसानों को संलग्न विषय जैसे गौ पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन आदि कई विषयों पर भी जागरूक किया गया। क्षेत्र में जैविक कृषि को प्रोत्साहन देने के लिए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय कृषि केंद्र जबलपुर से आए डॉ. गगनेश शर्मा एवं सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयरमैन हेमंत शर्मा ने क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ एसटी पालीवाल ने गौ आधारित कृषि के साथ-साथ गौ उत्पादों की भी जानकारी दी। डॉ. पीके मिश्रा कृषि विश्वविद्यालय गंजबासौदा ने समेकित कृषि प्रणाली के बारे में बताया। कृषि वैज्ञानिक डॉ. शिवराम रघुवंशी ने जैविक खेती के बढ़ते प्रभाव पर अपने विचार साझा किए। ग्राम रतनखेड़ी से आए प्रगतिशील किसान सम्मान सिंह रघुवंशी ने किसानों के साथ अपने जैविक खेती के अनुभवों के बारे में बताया। कार्यक्रम में डॉ. आलोक पाण्डे, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. एसके बक्शी, डॉ. एसआर कटियार, डॉ. अर्पणा शर्मा ने भी अपने विचारों से किसानों का मार्गदर्शन किया।

सलोई गांव में क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

नवदुनिया संवाददाता गंजबासौदा। निकटस्थ ग्राम सलोई में सूर्या फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर अतिथियों के रूप में पूर्व विधायक हरिसिंह रघुवंशी, जनपद उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, देवेन्द्र रघुवंशी, युवा मोर्चा जिला महामंत्री सोनू समैया और सूर्या फाउंडेशन के गूंजालाल उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर उन्हें युवाओं को नशे से होने वाले नुकसान बताते हुए सभी को नशे से दूर रहने का संकल्प भी दिलाया। इस अवसर पर आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैच देखने के लिए पहुंचे।

सूर्या फाउंडेशन ने चलाया हरियाली का अभियान

गंजबासौदा। सूर्या फाउंडेशन के सदस्य एसडीएम को पौधा भेंट करते हुए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

सूर्याफाउंडेशन द्वारा पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसमें उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और समाजसेवियों को पौधे भेंट किए। फाउंडेशन के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में देश के 18 राज्यों में डेढ़ करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। सदस्यों ने एसडीएम प्रकाश नायक, समाजसेवी राजेश माथुर सहित कई गणमान्य नागरिकों को पौधे भेंट किए इस मौके पर शिवकुमार, नरेन्द्र रघुवंशी, सीताराम सहित कई लोग मौजूद रहे।